ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का गढ़ बन रहा उत्तर प्रदेश

नई पॉलिसी से 40 आईटी पार्क व 25 स्पेशल इकनॉमिक जोन को बड़े हब में बदला जाएगा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) के गढ़ के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए नई जीसीसी नीति बनाई जा रही है, जिससे प्रदेश को बहुराष्ट्रीय कंपनी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, डाटा एनालिटिक्स व साइबर सिक्योरिटी जैसे सेक्टरों में राज्य को सुपर हब बनाया जाएगा।

जीसीसी सेंटर इंजीनियरिंग, अनुसंधान, विकास व विश्लेषण में खास भूमिका निभाते हैं। यूपी जीसीसी पॉलिसी 2024 का ड्राफ्ट पेश किया है, जिसे इन्वेस्ट यूपी द्वारा तैयार किया गया है। यूपी के अतिरिक्त कर्नाटक भी इस पॉलिसी को जल्द लागू करने जा रहा है और उसने भी ड्राफ्ट तैयार कर लिया है।

भारत ने खुद को जीसीसी क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक घरेलू मार्केट में लगभग 110 अरब डॉलर की हिस्सेदारी जीसीसी सेक्टर की होगी। भारत के जीसीसी उद्योग ने 19 लाख से अधिक पेशेवरों को रोजगार दिया व अर्थव्यवस्था में 64.6 अरब डॉलर का योगदान दिया है। भारत में जीसीसी की संख्या 2030 तक 1,700 से बढ़कर 2,400 से भी अधिक होने की उम्मीद है।

जीसीसी सेक्टर की 2030 तक घरेलू मार्केट में लगभग 110 अरब डॉलर की होगी हिस्सेदारी

गौतमबुद्ध नगर पहले ही देश का बड़ा हब, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज व मेरठ भी छाए

जीसीसी क्षेत्रों को मुख्यतः अपस्ट्रीम व डाउनस्ट्रीम श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। अपस्ट्रीम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, डीप-टेक व रोबोटिक्स की जरूरत होती है। दूसरी ओर, डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में कुशल कार्यबल, गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे और व्यापार के अनुकूल शासन के साथ कहीं भी स्थापित किए जा सकते हैं।

इसलिए यूपी बनेगा जीसीसी का गढ़

- 40 आईटी पार्क और 25 विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) आधुनिक, उपयोग के लिए तैयार कार्यालय।
- नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निवेश।
- योटा, एसटीटी ग्लोबल और वेब वर्क्स जैसे प्रमुख खिलाड़ी यूपी में काम कर रहे हैं। जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास 1,000 एकड़ के सेमीकंडक्टर पार्क की घोषणा की है।
- यीडा क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक पार्क (250 एकड़), डेटा सेंटर पार्क और अन्य इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) की स्थापना।
- लखनऊ में एआई सिटी (40 एकड़) की योजना, एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप (750 एकड़), मेडिकल डिवाइस पार्क (350 एकड़) और यीडा क्षेत्र में फिनटेक पार्क भी बन रहे हैं।
- वर्तमान में कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, नोएडा और मेरठ में एसटीपीआई कार्यरत हैं, जो लगभग 300 पंजीकृत आईटी इकाइयों को सेवा प्रदान कर रहे हैं तथा आगरा, बरेली, गोरखपुर और वाराणसी में नए एसटीपीआई स्थापित करने की योजना है।